रूह नैनां खोले तो दीदार हो जाए,
पिया चरणों में तेरे साथ जग जाए

1- सुख अपनी निसवत के साक्षात मिल जायें
पिया आप जो चाहो तो बात बन जाए
फिर हुकम इलम को छोड़ तेरा इश्क मिल जाए

2- जब फैल हाल तेरे रूहों को मिल जायें
तेरी वाहेदत में जो एक है,वो एक हो जायें
कहनी से जुदा होकर रहनी में आ जायें

3-जिस दिल में पिया हरपल बस तुमही ऱहते हो
अपने ही इलम से अपना सुख लज्जत देते हो
वो लज्जत लेकर के दिल वापिस फिर जाए

4- जब रूबरू तेरे तेरी रूहें होवेंगी
नैनों से नैनों का अमीरस पीवेंगी
वो नैन नजारा नूरी तेरा अब तो मिल जाए

Nijanand App